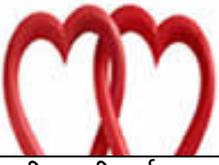


काश की वो मुझे मलि पाती या काश की मैं उस ? सचची परेम कहानी

लब्जो ही लब्जो ही मे वो अपनी ही लब्ज सुना जाती काश की मैं आपकी हो पाती बात उस समय की है जब मैं वर्ग ६ मे पढता था उस समय मैं काफी नटखट हुआ करता था लो पर आज देख लो मैं उस दुनिया को बहुत ही पछि छोड़ आया हु पड़ आज ऐसा क्यो लग रहा है की मैं उसकी दुनिया मैं वापस लोट जाऊ मेरा नटखट पन दोस्तो की दोस्ती या कुछ ओर मैं समझ नहीं पा रहा मैं कुछ समझ नहीं आ रहा है की मैं अपनी बीती हुऐ ज़िंदगी मैं कैसे वापस लोट जाऊ कास की कोई रास्ता होता ओर मैं अपनी भूली बसिरी जन्दिगी मे लोट जाऊ आब तो बस यादों का एक ढेर सा रह गया है मेरी जन्दिगी मे मैं चाह कर भी अपनी भूली बसिरी जन्दिगी मे नहीं लोट सकता पर मे अपनी ये यादों का क्या करू जशि मैं भुला ही नहीं पा रहा हु मैं अभी तक उस इंसान का जीकर ही नहीं कयिा मैं अपनी जन्दिगी का हर लम्हा तो भूल सकता हु पर उस लड़की को कशे भूल जाऊ याद है मुझे जब मैं उस को पहली वार देखा था तो मैं उसे देखता ही रह गया पता नहीं मैंने उस मे क्या देखा या मुझे उस मैं क्या दिखा मैं नहीं जनता पर इतना जरूर जनता हु की मैं उस से कभी भूल नहीं पाऊगा ओर न ही मैं उस स्कूल को भी भूल पाऊगा अब सुरू हुई कहानी उस लड़की की जिसे मैं प्यार करता हु अचछे से याद है मुझे ओ दनि जब मेरे कशि कारण वास उसे टचिर से डाट पड़ी मैं वो दनि कैसे भूल सकता हु अब तो मुझे अपने आप पर बहुत ही आधकि गुस्सा होने लगा फरि दूसरे दनि वो स्कूल नहीं आई तो मुझे बहुत ही अफसोच हुआ पता नहीं मुझे क्यू ऐसा लगने लगा की मैं ने कोई बहुत बरा जुरम कर दिया हु उस दनि मेरा मन स्कूल मैं नहीं लग रहा था अपने आप मे मैं बहुत आधकि गलिटी फलि कर रहा था मुझ से रहा नहीं गया तो मैं उस के दोस्त से पूछा की आज तुम्हारी दोस्त क्यो नहीं आई तो उस ने कही आज उसे बुखार है मैं तो दंग रह गया चोथेदनि जब वो स्कूल आई तो वो मुझसे कुछ नहीं कही मैं समझ गया की वो मुझ से गुस्सा है पर मैं क्या करता अचानक टफिनि हो गई जिसे वक्त मैं क्लास रूम मैं था तो उस वक्त सरिफ वो ही थी मरे क्लासरूम मैं मैंने बोला क्या तुम अपना केमसिट्री का फेयर लाई हो तो उस ने गुस्से मे मुझ से कहा की तुमको मेरे फेयर क्या मतलब मैंने कहा ठीक है कोई बात नहीं आचनक वो क्लासरूम से बाहर निकाल गई मैं क्लासरूम मैं अकले था मेरे मन को पता नहीं क्या हुआ मैंने उसका स्कूल बैग देखा तो दंग सा रह गया क्यो की उस ने मुझ से छुपा के मेरी कुछ यादों को बहुत ही आधकि समहाल कर रखी हुई थी मैं उस से क्या कहता मैं उस ने जब की वो केमसिट्री का फेयर नहीं लाए है तो मेरा मन नहीं माना तो मैं ने आफना ही केमसिट्री का फेयर उस के बैग मैं रख दिया अचानक टफिनि की छुट्टी खतम हुई केमसिट्री के टचिर आये ओर बोले चलो तुम लोग अपने अपने केमसिट्री का फेयर निकाल लो शायद उसे याद नहीं था की केमसिट्री का फेयर नहीं लाई है उसने आपने बैग देखा तो उस मैं उसे एक एकसट्रा कॉपी मल्लि उसने उस नकिली इतने मे उस से केमसिट्री के टचिर ने ओ कॉपी ले ली फेयर का कॉपी देख टचिर ने उसे कुछ नहीं कहे अब मारी बारी आने वाली थी मैं क्या करता मजबूरन मुझे केमसिट्री के टचिर से डाट सूनना पड़ा पर मर नहीं पड़ी सारे बच्चे स्कूल से निकाल चुके थे वो भी स्कूल के कैम्पस से निकाल कर बाहर मे खड़ी थी मैं भी स्कूल से निकाल ही रहा था की मेरी नजर उस पे परी वो आखे भरी स्कूल के केम्पस खड़ी मल्लि तो मुझ से रहा नहीं गया तो मैंने उससे कहा क्या हुआ क्या हुआ तो उसने गुस्से से मेरा हाथ पकड़ कर एक ओर ले के चली गई ओर रोने लगी मैं तो काफी आधकि डार गया पता नहीं इसको क्या हो गया मैंने उस से पूछा क्या हुआ मुझसे कोई गलती हो गई है क्या वो मेरी कुछ सुनने को तैयार ही नहीं थी मैं क्या करता मैंने गुस्से से पूछा क्या हुआ तो उस ने बोली तुम ऐसा कयिो कयिा मैं ने पूछा क्या कयिा मैंने तो उस ने बोली तुम आफना केमसिट्री का कॉपी मेरे बैग मे क्यो रख दिया आब मैं क्या कहता मैं चुप हो सा गया मैंने कहा सोर्री गलती हो गई उस ने मुझे मेरा कॉपी दे दी ओर बोली तुम को आब मैं क्या कहू फरि वो आपने घर को जाने लगी आचनक क्या हुआ फरि ओ मेरे पास आ गई बोली थैंक्स तुम ने जो आज मुझे बचा लिया फरि वो अपने घर को चली गई पता नहीं क्यो मुझे लगाने लगा की ओ मुझसे प्यार करने लगी है पर मैं कुछ कहने से डरता था अब हम दोनों के बीच अचछी दोस्ती हो चुकी थी |

अब हम दोनों के बीच कुछ ऐसा हो गया था की अगर रवविर को स्कूल बंद भी हो जाता तो मैं सोचते स्कूल क्यो बंद हो गया है |
एक दनि स्कूल मे उसे देखे बनिा मन को चैन नहीं मलि पाती या आप यू कह लो मन को शांत नहीं मलित्ती |
जब मुझे पता चला की मैं घर जा रहा हु तो मैं रो पड़ा क्योक कोई मेरा मुझ से छूट रहा था

पर अब इन सब बातो का क्या फयिदा आचनक कुछ ऐसा हुआ की मुझे हॉस्टल छोड़ना पड़ा ओर मैं आपने घर को चला आया मैं उसे बाय भी नहीं कह पाया
मैं उसका नाम तो भूल गया पर उसका चेहरा नहीं भुला पाया हु |



वही खुली हुई बाल आखों पे चस्मा |

आज तक मैं उस लड़की को नहीं भूल पाया हूँ न ही उस लड़की को भूल पाऊंगा |

उस समय मैं क्लास ६ में पढ़ रहा था और मैं आज क्लास बी.ए पढ़ रहा हूँ

जिन्दगी में ज़िदा रहने के लिये किसी की याद ही काफी है किसी से प्यार करो न की उसे बदनाम करो

मैं राहें देखूँगा कब मैं उसे मलि पाऊँगा पता नहीं ओ मलि भी पयेगी या नहीं काश की वो मुझे मलि पाती या काश की मैं उस से मलि पाता काश की वो मुझे मलि पाती या काश की मैं उस से मलि पाता